हिन्दुस्तान

05 जुलाई 2021

पीयू: बीएड पाठ्यक्रम में एनसीसी को शामिल किया जाएगा

- पटना विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय की वर्चुअल बैठक में निर्णय
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को भी शामिल किया जाएगा

पटना। बीएड पाठ्यक्रम में एनसीसी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को शामिल किया जाएगा। साथ ही कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थितियों में बीएड पाठ्यक्रम का लोड कम किया जाएगा। यह निर्णय पटना विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय की वर्चुअल बैठक में रविवार को लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार ने की।

उन्होंने कहा कि यूजीसी के दिशा-निर्देशों के मद्देनजर एनसीसी को बीएड पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। अभी यह एकेडमिक काउंसिल से पास है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पूरे देश में लागू है। इसी के प्रावधानों के मद्देनजर नीति अधिकांश प्रावधानों को लागू किया जाएगा। बैठक में अन्य कई एजेंडे पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें ऑनलाइन टीचिंग और ऑनलाइन स्कूल इंटर्नशिप आदि मुद्दे शामिल थे।

इस वर्चुअल बैठक में पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार, वीमेंस ट्रेनिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. मोनवर जहां, बीआरए बिहार विवि के शिक्षा संकाय अध्यक्ष डॉ. एअर खान, डॉ. गौरी ब्रह्मानंद टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कुमार संजीव, नालंदा कॉलेज के शिक्षाशास्त्र विभाग के विभाग डॉ. ध्रुव कुमार एवं रांची वीमेंस कॉलेज के शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सचिन कुमार शामिल हुए।

बीएड के पाठ्यक्रम में शामिल होगा एनसीसी

पटना (एसएनबी)। बीएड पाठ्यक्रम में एनसीसी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को शामिल किया जाएगा। साथ ही कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थितियों में बीएड पाठ्यक्रम का लोड कम किया जाएगा। यह निर्णय पटना विवि के शिक्षा संकाय की वर्चुअल बैठक मे लिया गया। बैठक की अध्यक्षता पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार ने की। उन्होंने कहा कि यूजीसी के दिशा निर्देशों के मद्देनजर एनसीसी को बीएड पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। यह एकेडमिक काउंसिल से पास है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पूरे देश में लागू है। इसी के प्रावधानों के मद्देनजर अधिकांश प्रावधानों को लागू किया जाएगा। बैठक में अन्य कई एजेंडे पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें ऑनलाइन टीचिंग और ऑनलाइन स्कूल इंटर्नशिप आदि मुद्दे शामिल थे।

पटना, बुधवार
22.12.2021
प्रभात खबर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से अध्यापक शिक्षा में होगा आमूल-चूल परिवर्तन

पटना. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू होने से अध्यापक शिक्षा में आमूल-चूल परिवर्तन होगा. अब 12वीं के बाद वैसे ही छात्र-छात्रा पेशेवर शिक्षक बन सकेंगे, जिनमें शिक्षण पेशे के प्रति ललक होगा. शिक्षकों को खुद को पेशेवर बनाना होगा. ये बातें कल्याणी विवि के शिक्षाशास्त्र के प्रो जयंत मेटे ने कही. वह मंगलवार को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं अध्यापक शिक्षा' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे. सेमिनार का आयोजन पटना ट्रेनिंग कॉलेज और इंडियन एजुकेशन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से किया था. प्रो आशुतोष कुमार ने कहा कि शिक्षा नीति की सफलता के लिए आधारभूत संरचना व शिक्षक की गुणवत्ता बढ़ जायेगी. पाठ्येतर गतिविधियों और व्यावसायिक शिक्षा के बीच कोई खास अंतर नहीं होगा.

पटना। बुधवार • 22 दिसम्बर • 2021
राष्ट्रीय सहारा www.rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संभव है अध्यापक शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन

पटना (एसएनबी)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू होने से अध्यापक शिक्षा में आमूल चूल परिवर्तन होगा। अब 12वीं के बाद वैसे ही छात्र-छात्रा पेशेवर शिक्षक बन सकेंगे जिनमें शिक्षण पेशे के प्रति ललक होगी। अब शिक्षकों को अपने आप को पेशेवर बनाना होगा। ये बातें कल्याणी विश्वविद्यालय में शिक्षाशास्त्र के प्रो. जयंत मेटे ने कही। प्रो. मेटे मंगलवार को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं अध्यापक शिक्षा' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सेमिनार का आयोजन पटना ट्रेनिंग कॉलेज और इंडियन एजुकेशन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से किया था।

प्रो. आशुतोष कुमार ने कहा कि इस शिक्षा नीति की सफलता के लिए आधारभूत संरचना एवं शिक्षक की गुणवत्ता बढ़ जायेगी।

सेमिनार के दौरान सम्मानित करते अतिथि।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं अध्यापक शिक्षा' विषयक सेमिनार के उद्घाटन पर बोले शिक्षाशास्त्र के प्रोफेसर

स्कूलों में पाठ्येत्तर गतिविधियों और व्यावसायिक शिक्षा के बीच कोई खास अंतर नहीं होगा। फाउंडेशन के अध्यक्ष और पटना विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य डॉ. कुमार संजीव ने कहा कि 4 वर्षीय इंटेग्रेटेड बीएड कोर्स का संचालन सभी ट्रेनिंग कॉलेजों में करना होगा। अन्यथा उन्हें बंद करने होंगे। डॉ ध्रुव कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अब शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय प्रोफेशनल मानक विकसित किया जा रहा है। इससे पेशेवर शिक्षक पैदा होंगे। सेमिनार को डॉ. ऋषिकेश बहादुर, दीपिका गौतम, मृगेन्द्र कुमार ने संबोधित किया। मौके पर पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्य दीपिका गौतम को सम्मानित किया गया। तकनीकी सत्र में उत्कल यूनिवर्सिटी के शोध छात्र मृगेन्द्र कुमार, बीआरए बिहार यूनिवर्सिटी की शोध छात्रा अंजना कुमारी, विजय कुमार, आरती कुमारी, चंदन कुमार, राजलक्ष्मी सहित दो दर्जन से अधिक छात्रों ने शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हिन्दुस्तान पटना • बुधवार • 22 दिसंबर 2021

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से होगा आमूलचूल परिवर्तन

पटना। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू होने से अध्यापक शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन होगा। अब 12वीं के बाद वैसे ही छात्र-छात्रा पेशेवर शिक्षक बन सकेंगे जिनमें शिक्षण पेशे के प्रति ललक होगा। अब शिक्षकों को अपने आप को पेशेवर बनाना होगी। ये बातें कल्याणी विवि के शिक्षाशास्त्र के प्रो. जयंत मेटे ने कही। प्रो. मेटे मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं अध्यापक शिक्षा विषयक राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सेमिनार का आयोजन पटना ट्रेनिंग कॉलेज और इंडियन एजुकेशन फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से किया था।

दैनिक भास्कर

पटना, बुधवार, 22 दिसंबर, 2021 | 3

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने से शिक्षा में आएगा व्यापक बदलाव

पटना| राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू होने से अध्यापक शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन होगा। अब 12वीं के बाद वैसे ही छात्र-छात्रा पेशेवर शिक्षक बन सकेंगे जिनमें शिक्षण पेशे के प्रति ललक होगी। अब शिक्षकों को अपने आप को पेशेवर बनाना होगा। ये बातें कल्याणी विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र के प्रो. जयंत मेटे ने कहीं। प्रो. मेटे मंगलवार को "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं अध्यापक शिक्षा' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। पटना ट्रेनिंग कॉलेज और इंडियन एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सेमिनार में प्रो. आशुतोष कुमार ने कहा कि इस शिक्षा नीति की सफलता के लिए आधारभूत संरचना एवं शिक्षक की गुणवत्ता बढ़ जाएगी। स्कूलों में पाठ्येत्तर गतिविधियों और व्यावसायिक शिक्षा के बीच कोई खास अंतर नहीं होगा।

• पटना • बुधवार • 08 दिसंबर 2021 हिन्दुस्तान

जल जीवन हरियाली- जिंदगी की खुशहाली

पटना। पटना ट्रेनिंग कॉलेज में जल जीवन हरियाली दिवस पर मंगलवार को पौध साला सृजन विषय पर संगोष्ठी हुई। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार ने जल जीवन हरियाली जिंदगी की खुशहाली का मंत्र छात्रों को दिया। कुंदन कुमार ने पौधे का महत्त्व पर राजलक्ष्मी ने जल के संकट पर अमित कुमार ने जलवायु परिवर्तन पर ऋषिकेश बहादुर ने जल संचय व राकेश कुमार ने पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार प्रकट किए।

पटना • शनिवार • 25 सितंबर 2021

हिन्दुस्तान

'एनएसएस देता मानव सेवा व देशभक्ति का मंत्र'

पटना | वरीय संवाददाता

पटना विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों में एनएसएस दिवस मनाया गया। इस मौके पर योगाभ्यास, पौधरोपण, साफ-सफाई और कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसकी जानकारी एनएसएस की डॉ. सुहेली मेहता ने दी।

पटना साइंस कॉलेज में पौधरोपण किया गया। कला एवं शिल्प महाविद्यालय में योग गुरु अश्वनी कुमार ने योगाभ्यास कराया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य अजय कुमार पांडे ने की। एनएसएस की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रश्मी कुमारी ने कहा कि देश सेवा में युवाओं की भागीदारी के लिए इसकी स्थापना की गयी थी। जेडी वीमेंस कॉलेज में एनएसएस दिवस पर हौसलों की उड़ान एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित किया। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. हिना रानी, अंशिका गुप्ता ने मुख्य भूमिका निभाई। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. मीरा कुमारी उपस्थिति थीं।

पटना वीमेंस कॉलेज में एनएसएस डे पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षिकाएं व छात्राएं।

वीमेंस ट्रेनिंग कॉलेज मेंप्राचार्य डॉ. मुनव्वर जहां ने पौधरोपण किया। इस मौके पर शिक्षक ज्योति कुजुर, गुफरान आलम, राजकमल, महादेव, वंदना कुमारी, डॉ. प्रीति मिश्रा आदि मौजूद थी। मगध महिला कॉलेज में नवनिर्मित छात्रावास परिसर में पौधरोपण किया गया। प्राचार्य प्रो. शशि शर्मा ने कार्यक्रम की शुरुआत अशोक का पौधा लगाकर किया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की एनएसएस पदाधिकारी डॉ. रूपम, रंजना व खुशबू का मुख्य योगदान था।

राष्ट्र व मानवता की सच्ची सेवा : प्रो. आशुतोष : पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार ने कहा है कि सच्चे और समर्पण भाव से राष्ट्र और मानवता की सेवा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र है। विद्यार्थियों को इस मूल मंत्र को आत्मसात करना चाहिए। एनएसएस दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्य वक्ता डॉ. ध्रुव कुमार, विशिष्ट वक्ता डॉ. कुमार संजीव थे।

आज
पटना
शनिवार, २५ सितम्बर, २०२१

राष्ट्र व मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा : प्रो. आशुतोष

पटना (आससे)। पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर (डा.) आशुतोष कुमार ने कहा है कि स्वैच्छिक समाज सेवा एनएसएस का है मूलाधार है और इससे कॉलेज में पढ़ने वाले

कुमार संजीव संपादित शिक्षाशास्त्र की राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'एजुकेशनल साईंस रिव्यू' का विमोचन

छात्र-छात्राओं में सेवा-भाव की जागृति पैदा होती है जो देश और मानवता की सेवा के लिए बहुत ही उपयोगी है। वे शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर पटना ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम का उद्घाटन करने के पश्चात उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे ढ्ढ उन्होंने कहा कि सच्चे और समर्पण भाव से राष्ट्र और मानवता की सेवा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र है।

'कॉलेज कैंपस से समुदाय तक' विषयक संगोष्ठी के मुख्य वक्ता पटना विवि पूर्ववर्ती छात्र संघ के महासचिव और नालंदा कॉलेज शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ ध्रुव कुमार ने कहा कि एनएसएस कॉलेज कैंपस से समुदाय और गांव - मोहल्लों से जोड़ता है। अपने विद्यार्थी जीवन में अनेक अनेक राष्ट्रीय एकता शिविर (एनआई कैम्प) में भाग ले चुके डॉ ध्रुव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ने के बाद विद्यार्थी पर्यावरण, राष्ट्रीय एकता, साक्षरता, रक्तदान और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए श्रमदान करते हैं ढ्ढ इससे उनके व्यक्तित्व में चारित्रिक बल और सेवा भाव विकसित करने में काफी मदद मिलती है ढ्ढ उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष - 1969 में देश के 37 विश्वविद्यालयों के 40 हजार विद्यार्थियों के साथ शुरू हुई राष्ट्रीय सेवा योजना से आज देश के 300 से अधिक विश्वविद्यालयों के 15 हजार कॉलेज के 36 लाख से अधिक विद्यार्थी सक्रिय रूप से जुड़े हैं ढ्ढ इसमे 35 प्रतिशत भागीदारी लड़कियों की है ढ्ढ बिहार में इससे जुड़े युवाओं की संख्या 40 हजार से अधिक हैं। पटना विवि के सीनेटर डॉ कुमार संजीव ने कहा कि एनएसएस का लक्ष्य है - सेवा

कॉलेज कैंपस को समुदाय से जोड़ता है एनएसएस : डा. ध्रुव

के माध्यम से शिक्षा और आदर्श वाक्य- मैं नहीं बल्कि आप। इस अवसर पर प्रो. आशुतोष कुमार और डॉ ध्रुव कुमार ने डॉ. कुमार संजीव द्वारा संपादित शिक्षाशास्त्र की राष्ट्रीय शोध पत्रिका %एजुकेशनल साईंस रिव्यू % के नवीनतम अंक का विमोचन किया। मौके पर डॉ. कुमार सत्येंद यादव, राजलक्ष्मी, अमित कुमार, कुंदन कुमार, रामनाथ यादव, जगत कुमार सहित अनेक शिक्षक एवं प्रशिक्षु छात्रगण मौजूद थे।

पटना, शनिवार, 25 सितंबर 2021

सन्मार्ग

Live News & Epaper
http://www.live7tv.c

राष्ट्र व मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा : प्रो. आशुतोष

■ राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'एजुकेशनल साईस रिव्यू' का विमोचन

पटना/संवाददाता। पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ आशुतोष कुमार ने कहा कि स्वैच्छिक समाज सेवा एनएसएस का है मूलाधार है और इससे कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं में सेवा-भाव की जागृति पैदा होती है जो देश और मानवता की सेवा के लिए बहुत ही उपयोगी है। वे शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर पटना ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम का उद्घाटन करने के पश्चात उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सच्चे और समर्पण भाव से राष्ट्र और मानवता की सेवा ही राष्ट्रीय सेवा

योजना का मूल मंत्र है। 'कॉलेज कैंपस से समुदाय तक' विषयक संगोष्ठी के मुख्य वक्ता पटना विवि पूर्ववर्ती छात्र संघ के महासचिव और नालंदा कॉलेज शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ ध्रुव कुमार ने कहा कि एनएसएस कॉलेज कैंपस से समुदाय और गांव-मोहल्लों से जोड़ता है। अपने विद्यार्थी जीवन में अनेक अनेक राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग ले चुके डॉ ध्रुव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ने के बाद विद्यार्थी पर्यावरण, राष्ट्रीय एकता, साक्षरता, रक्तदान और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए श्रमदान करते हैं। इससे उनके व्यक्तित्व में चारित्रिक बल और सेवा भाव विकसित करने में काफी मदद मिलती है। पटना विवि के सीनेटर डॉ कुमार संजीव ने कहा कि एनएसएस का लक्ष्य है- सेवा के माध्यम से शिक्षा और आदर्श वाक्य- मैं नहीं बल्कि आप। इस अवसर पर प्रो. आशुतोष कुमार और डॉ ध्रुव कुमार ने डॉ. कुमार संजीव द्वारा संपादित शिक्षाशास्त्र की राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'एजुकेशनल साईस रिव्यू' के नवीनतम अंक का विमोचन किया।

C M K

दैनिक भास्कर | पटना, शनिवार, 25 सितंबर, 2021

मानवता की सेवा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र

पटना | सच्चे और समर्पण भाव से राष्ट्र और मानवता की सेवा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र है। विद्यार्थियों को इस मूल मंत्र को आत्मसात करना चाहिए। ये बातें पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार ने कहीं। वे राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन कर रहे थे। विषय था- एनएसएस- कॉलेज कैंपस से समुदाय तक। डॉ. ध्रुव कुमार ने कहा कि छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना एक बेहतर माध्यम है। पटना यूनिवर्सिटी के सीनेट सदस्य डॉ. कुमार संजीव ने कहा कि छात्र-छात्राओं को अपनी पढ़ाई के [illegible] लेकर शिक्षा देना चाहिए। वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के मौके पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार ने डॉ. कुमार संजीव द्वारा संपादित शिक्षाशास्त्र की राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'एजुकेशनल साइंस रिव्यू' के नये अंक का विमोचन किया।

THE TIMES OF INDIA, PATNA *
MONDAY, JULY 19, 2021

BEd students to do school internship in virtual mode

B K Mishra

Patna: BEd students of Patna University (PU) of the last two academic sessions (2019-21 and 2020-22) would complete their mandatory school internship through the medium of simulated teaching from their respective institutions. A decision to this effect was taken at a meeting of the PU education faculty held here on Sunday under the presidentship of faculty dean Lalit Kumar. Addressing the meeting, Patna Training College principal Ashutosh Kumar said that all the schools of the state are closed owing to the Covid-19 pandemic and under the existing circumstances, it is not possible for BEd students to do their school internship of four months' duration in face-to-face mode. But, as per the provisions of the National Council for Teacher Education (NCTE), no student can take the BEd examination without completing the mandatory school internship. He further pointed out that BEd students of PU have already done internships in face-to-face mode for one month just before the closure of colleges following the imposition of statewide lockdown.

हिन्दुस्तान
पटना • सोमवार • 19 जुलाई 2021

'सिमुलेटेड टीचिंग' के माध्यम से होगी इंटर्नशिप

पीयू बीएड

पटना | वरीय संवाददाता

पटना विश्वविद्यालय के बीएड के सत्र 2019-21 और 2020-22 के छात्र-छात्राओं का स्कूल इंटर्नशिप सिमुलेटेड टीचिंग के माध्यम से अपने ही कॉलेज में कराया जाएगा। इस आशय का निर्णय पटना विवि के शिक्षा संकाय के सदस्यों की रविवार को हुई ऑनलाइन बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता पीयू के शिक्षा संकायाध्यक्ष प्रो. ललित कुमार ने की।

पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार ने बताया कि कोरोना प्रोटोकोल के तहत राज्य के सभी माध्यमिक स्कूल अभी बंद हैं। एनसीटीई के प्रावधानों के अनुसार बगैर इंटर्नशिप बीएड के छात्र छात्राओं की परीक्षाएं नहीं ली जा सकती है। प्रो. आशुतोष ने बताया कि लॉकडाउन के पहले बीएड के प्रशिक्षणार्थी एक महीना स्कूल इंटर्नशिप फेस टू फेस मोड में पूरा कर चुके हैं। शेष तीन महीने का स्कूल इंटर्नशिप सिमुलेटेड टीचिंग के माध्यम से अपने ही कॉलेज में कराया जाएगा। बैठक में पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार, बीआरए बिहार विवि (मुजफ्फरपुर) के शिक्षा संकाय अध्यक्ष डॉ. एआर खान, ललित नारायण मिथिला विवि (दरभंगा) के प्रतिनिधि डॉ. कुमार संजीव, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के डॉ. ध्रुव कुमार थे।

'राष्ट्रीय सहारा'

दिनांक: 05 जुलाई, 2021

बीएड के पाठ्यक्रम में शामिल होगा एनसीसी

पटना (एसएनबी)। बीएड पाठ्यक्रम में एनसीसी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को शामिल किया जाएगा। साथ ही कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थितियों में बीएड पाठ्यक्रम का लोड कम किया जाएगा। यह निर्णय पटना विवि के शिक्षा संकाय की वर्चुअल बैठक मे लिया गया। बैठक की अध्यक्षता पटना ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आशुतोष कुमार ने की। उन्होंने कहा कि यूजीसी के दिशा निर्देशों के मद्देनजर एनसीसी को बीएड पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। यह एकेडमिक काउंसिल से पास है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पूरे देश में लागू है। इसी के प्रावधानों के मद्देनजर अधिकांश प्रावधानों को लागू किया जाएगा। बैठक में अन्य कई एजेंडे पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें ऑनलाइन टीचिंग और ऑनलाइन स्कूल इंटर्नशिप आदि मुद्दे शामिल थे।